अग्रवाल कॉलेज ने किया नशा मुक्ति विषय के तहत रैली-सह-स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

By **Poonam Sagar** - March 4, 2023 150 0

बल्लभगढ़ (नेशनल प्रहरी/ रघुबीर सिंह)। प्रबंधन विभाग, अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ ने सोनू नवचेतना फाउंडेशन (एनजीओ) के सहयोग से अपने स्कूल आउटरीच कार्यक्रम के एक भाग के रूप में चौ.सी.एल.चंदेला सीनियर सेकेंडरी स्कूल फरीदाबाद के 8वीं, 9वीं और 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए "नशा मुक्ति: नशा छोड़ें, जीवन चुनें" पर एक रैली-सह-स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन 04 मार्च 2023 को किया। प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में महाविद्यालय इस प्रकार के आयोजन करता रहता है। NGO सोनू नवचेतना फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. दुर्गेश शर्मा ने छात्रों को "से नो टू एल्कोहल" विषय पर संबोधित किया। अपनी बात में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि कम उम्र में ही बच्चों की देखभाल की जाए तो उन्हें हानिकारक चीजों की लत के दुष्प्रभाव से बचाया जा सकता है। उन्होंने आगे छात्रों को विभिन्न प्रकार के व्यसनों से अवगत कराया और बताया कि यह मानव शरीर को कैसे नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने शराब और सिगरेट की लत से बचने के लिए विभिन्न प्रकार के उपाय बताए और उन्हें देश के विकास में योगदान देने के लिए अपनी शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित किया। स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता में कुल 20 विद्यार्थियों ने भाग लिया। 9वीं कक्षा की सुश्री काजल और सुश्री सुष्मिता ने क्रमशः प्रथम और दूसरा पुरस्कार जीता, जबकि 11वीं कक्षा की निर्जला ने तीसरा स्थान हासिल किया। कक्षा 9वीं की सुश्री संध्या और सुश्री जागृति को सांत्वना पुरस्कार मिला। पुरस्कार वितरण के तुरंत बाद इसी थीम पर रैली स्कूल कैंपस से शुरू हुई और कैंपस से 4 किमी के दायरे में आने वाले क्षेत्र को कवर किया गया। रैली में कक्षा 8वीं, 9वीं और 11वीं के छात्र-छात्राएं अपने फैकल्टी में बर्स के साथ पहुंचे। छात्रों ने स्वास्थ्य जागरूकता और नशा मुक्ति संबंधी समस्याओं पर नारे लगाए और लोगों को नशा मुक्ति और इस के तरीकों के बारे में जागरूक किया। पूरे कार्यक्रम का संचालन प्रबंधन विभाग की सहायक प्राध्यापक सुश्री दीपमाला ने किया। प्रबंधन विभाग की डीन और एच.ओ.डी.डॉ. शिल्पा गोयल के निर्देशन में यह कार्यक्रम काफी सफल रहा। प्रभारी विंग तृतीय डॉ. संजीव गुप्ता विभिन्न विभागों के शिक्षकों को विभिन्न विद्यालयों में इस प्रकार की गति विधियों का आयोजन करते रहने के लिए प्रेरित करते रहते हैं।